नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग

प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी)

PMAY

सबके लिए आवास मिशन 2015-2022

पक्के मकान का सपना हो रहा पूरा

राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने छत्तीसगढ़ के प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से विडियो कान्फ्रेन्स के माध्यम से की बातचीत।

पक्का आवास मिलने पर हर्षित लाभार्थी

05 June 2018

पक्के मकान
का सपना हो रहा पूरा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा परिकल्पित प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत देश के 75वें स्वतंत्रता वर्ष 2022 में सबको पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में नगरीय प्रशासन विभाग निरंतर प्रयत्नशील है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत, प्रदेश में आज पक्के आवास निर्माण की योजना का क्रियान्वयन तेजी से किया जा रहा है, जो कि प्रगति की राह में अपेक्षाकृत पीछे रह गए लाखों परिवारों को सम्मानपूर्वक जीवनयापन की दिशा में, उत्कृष्ट प्रयास के रूप से परिलक्षित हुआ है। कच्चे आवासों में रहने वाले व आवासहीन ऐसे परिवारों जिनके लिए स्वयं का पक्का आवास होना एक चिर संजोया स्वप्न मात्र था, वह अब मूर्त रूप लेने लगा है। यह अत्यंत ही हर्ष का विषय है कि, झुग्गीवासियों एवं आवासहीन परिवारों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अत्यंत लोकप्रिय सिद्ध हुई है। इसके सहारे वे अपना खुद का पक्का आवास स्वयं बना पा रहे हैं।

विभाग द्वारा ऐसे परिवारों, जिन्होंने योजना से लाभ प्राप्त कर अपने आवासों का निर्माण कर लिया गया है, के अनुभव संकलित कर, एक बुकलेट का प्रकाशन किया जा रहा है। मुझे आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि, इस संकलन से प्रेरित होकर अन्य हितग्राही परिवार भी अपने-अपने आवास शीघ्र बनाने के लिए प्रेरित होंगे एवं हम सब मिलकर प्रधानमंत्री जी के स्वप्न को मिशन अवधि 2022 के पूर्व ही, साकार करने की दिशा में समर्थ सिद्ध होंगे।

अमर अग्रवाल
मंत्री, छ.ग. शासन
नगरीय प्रशासन एवं विकास,
वाणिज्यिक कर, उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम विभाग

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित पक्का मकान

सावित्री बाई शर्मा

नगर निगम, रायपुर

स्वीकृत लागत राशि 3.15 लाख 〉 भारत सरकार द्वारा दी गई सहायता राशि 1.50 लाख 〉 छ.ग. शासन द्वारा दी गई सहायता राशि 0.78 लाख 〉 हितग्राही द्वारा दी गई राशि 0.86 लाख

1 खुद के पक्के आवास की इच्छा पूरी- सावित्री

कच्चे मकान में रहते हुए, मेरे जीवन में संघर्ष जैसे रोज की बात हो गई थी। हर दिन सिर्फ इस चीज का डर सताता था कि आज फिर कोई नया संघर्ष न देखना पड़े। दो बेटे और एक बेटी की जिम्मेदारी को देखते हुए एक पक्का आवास बनाना कभी भी मेरी प्राथमिकता थी ही नहीं। रायपुर शहर के वार्ड क्र. 70 चंदनीडीह में रहने वाली सावित्री बाई शर्मा अपने जीवन में आई मुश्किलों को बतलाते हुए कहती है कि हमारे परिवार ने गरीबी का वह समय भी देखा है जब हमें दो वक्त के खाने के लिए रोटी ही नसीब नहीं होती थी। इन विकट स्थितियों और कच्चे मकान में अन्य मुश्किलों के बावजूद भी पाई-पाई जोड़कर मैंने अपनी बेटी की शादी करायी जिससे मेरी जमा पूँजी का बड़ा हिस्सा शादी की तैयारियों में चला गया।

सावित्री इस जिम्मेदारी को पूर्ण करने के बाद, एक पक्के मकान में रहने की इच्छा रखती थी, लेकिन पर्याप्त आय और पैसों के कोई अन्य स्त्रोत न होने की वजह से आज की स्थिति में सावित्री अपना पक्का मकान बनाने में असमर्थ थी। यह वह समय था जब पूरे देश व प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास के क्रियान्वयन हेतु नगरीय निकाय स्तर पर उन लोगों का सर्वे किया जा रहा था जिनके पास खुद के पक्के मकान नहीं है और यह काफिला नगर निगम रायपुर के जरिये सावित्री के घर पहुँचा और योजना की जानकारी दी।

योजना के बारे में जानकर सावित्री ने बिना विलंब के इस योजना का लाभ लेने हेतु अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ अपना पंजीयन नगर निगम में कराया और कुछ ही दिनों में सावित्री की इच्छा पूरी हो गई।सावित्री कहती है कि यह घर हमारे परिवार के लिए न केवल एक पक्की छत लेकर आया है अपितु हमारे परिवार और मेरे बच्चों के मन में आगे बढ़ने के पक्के इरादे भी तैयार किये हैं, मैं इसके लिए भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की आभारी हूं।

यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा कि 28 जुलाई 2018 को मैं लखनऊ में आयोजित आवास योजना कार्यक्रम में हमारे भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से मिली और मुझे हर्ष है कि इस योजना से मिले लाभ के लिए मुझे प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद बोलने का अवसर मिला। इस अवसर के लिए मैं भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन को धन्यवाद देती हूं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, लखनऊ में आयोजित आवास योजना कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना छत्तीसगढ़ की हितग्राही सावित्री बाई शर्मा से चर्चा करते हुए

स्वीकृत लागत राशि 3.15 लाख > भारत सरकार द्वारा दी गई सहायता राशि 1.50 लाख > छ.ग. शासन द्वारा दी गई सहायता राशि 0.78 लाख > हितग्राही द्वारा दी गई राशि 0.86 लाख

2

निशा गर्व से कहती हैं - "मोर जमीन मोर मकान"

खुद की ज़मीन होने के बावजूद भी बदलते समय के साथ पक्का घर बनाने के बारे में सोचना भी मुश्किल हो चुका था। घर में आने वाली कुल आय से कच्चे मकान की मरम्मत करना भी हमारे लिए बोझ जैसा था । मौसम की सामान्य स्थिति में कच्चे मकान में तो रहा जा सकता था किन्तु मौसम के बदलते ही हमारा परिवार मजबूर होकर सिर छिपाने के लिए कोई अन्य छत की खोज में लग जाता था ।

यह दास्तां है बिलासपुर शहर के वार्ड क्र. 32 में निवासरत निशा आतकुरवार की जो परिवार के साथ एक छोटे कच्चे मकान में रहा करती थी। निशा के पति की अपर्याप्त आय से घर चलना आसान नहीं था। इसके बीच पक्के मकान की आस रखना भी निशा के परिवार के लिए असंभव था । तभी बस्ती में एक दिन नगर निगम द्वारा शिविर का आयोजन किया गया और बस्ती वासियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में निगम कर्मियों ने बतलाया कि जिनके पास भी स्वयं की स्वामित्व की जमीन हो, वे लोग सबके के लिए आवास मिशन अंतर्गत अपना स्वयं का पक्का मकान बना सकते हैं। इसके लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अधिकतम राशि सहायता राशि के रूप में प्रदान की जाएगी। भीड़ में खड़ी निशा के दिल में स्वयं के पक्के मकान होने की यह बात घर कर गई और इस बात से प्रभावित निशा घर आने के पूरे रास्ते भर, अपनी आर्थिक स्थिति और घर बनाने के सपने का मन ही मन नाप तोल करती रही।

अगले दिन मोर जमीन मोर मकान योजना की पूर्ण जानकारी लेने हेतु निगम पहुँची एवं आवेदन जमा किया और कुछ दिनों के बाद निशा को आवास की स्वीकृति प्राप्त होते ही पुराने कच्चे मकान को तोड़कर नए मकान की नींव डालने का कार्य प्रारंभ किया। कार्य के साथ किश्तों को आने में भी समय न लगा । आज निशा का खुद का पक्का आवास तैयार हो चुका है, जहाँ वह अपने परिवार के साथ सुखद जीवन व्यतीत कर रही है। निशा कहती है सरकार की यह आर्थिक सहायता मेरे लिए वरदान स्वरूप है। साथ ही इस योजना ने हमें मानसिक रूप से सहारा दिया है । मेरे और मेरे परिवार के लिए यह पक्का घर किसी महल से कम नहीं ।

#PMAY aur meri kahani > MOR JAMIN MOR MAKAN > Nagar Nigam Bilaspur > Nisha Atkurvar

माननीय मंत्री श्री अमर अग्रवाल जी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास लाभार्थियों को कार्य पूर्णता का प्रमाणपत्र वितरित किए गए

सचिव, भारत सरकार, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा निगम दुर्ग एवं राजनांदगाव क्षेत्रांतर्गत BLC हितग्राहियों को पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित किए गए

प्रधानमंत्री आवास योजना
अंतर्गत निर्मित पक्का मकान

प्रमीला तंबोली

नगर पालिक निगम, जगदलपुर

पुराना कच्चा मकान

JAGDALPUR

स्वीकृत लागत राशि 2.81 लाख 〉 भारत सरकार द्वारा दी गई सहायता राशि 1.50 लाख 〉 छ.ग. शासन द्वारा दी गई सहायता राशि 0.70 लाख 〉 हितग्राही द्वारा दी गई राशि 0.61 लाख

3

पक्के मकान से- जीवन हुआ आसानः प्रमीला

पैसों की कमी इतनी थी कि जीवन यापन के साथ-साथ खुद का पक्का मकान बनाना आज के समय में मेरे लिए संभव नहीं था। हमारी जिन्दगी के दिन मौसम के मोहताज थे, जब-जब आसमान में काले बादल छाते, घर के सभी लोगों का मन उदास हो जाता था, जैसे मानों घर पर छत ही ना हो। जगदलपुर में निवासरत प्रमीला तम्बोली ने अपना अब तक का जीवन एक कच्चे मकान में बिताया था, 2 हिस्सों में बंटे छोटे से घर में प्रमीला अपने पति एवं चार बच्चों के साथ रहती थी। पति के पान की दुकान से होने वाली आय से घर का जीवन यापन होता था। दुर्भाग्यवश एक दिन प्रमीला के पति का शरीर लकवे का शिकार हो गया, जिसके बाद घर की आर्थिक स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि परिवार को चलाना मुश्किल हो गया।

पति के इलाज एवं घर चलाने के लिए प्रमीला ने नजदीकी राशन दुकान पर कुछ दिन काम भी किया, साथ ही बच्चों ने अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए काबिलियत के अनुसार कुछ काम कर घर के खर्चों में हाथ बटाया। इन कार्यों से घर तो चल रहा था लेकिन पहले की तरह मौसम की बदलती स्थितियों से परिवार अब और भी परेशान हो गया था। इस वक्त प्रमीला और उसके परिवार को एक पक्के मकान की जरूरत थी। पति की असमर्थता एवं परिवार की अपर्याप्त आय के कारण पक्का मकान बनाना तो दूर घर की मरम्मत करना भी प्रमिला के लिए संभव नहीं था। समस्याओं से घिरी प्रमीला के घर एक दिन नगर निगम के कर्मियों के साथ जनप्रतिनिधियों की मंडली पहुंची। उन्हें अपने दरवाजे पर देख प्रमीला भौंचक रह गई। निगम कर्मियों ने उन्हें यह बतलाया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पक्का घर बनाने हेतु उन सभी लोगों को सहायता राशि प्रदान कर रही है जिनके पास स्वयं का पक्का घर नहीं है। प्रमीला ने यह सुनकर जल्द ही समस्त आवश्यक कागजात को इकट्ठे कर, पक्के मकान हेतु अपना आवेदन भरा।

शीघ्र वह समय आ गया जब निगम ने उसके आवेदन को स्वीकृत करते हुए कार्य प्रारंभ करने की अनुमति दे दी और देखते ही देखते कुछ ही समय में प्रमीला के सपनों का पक्का घर उसके सामने था। अब प्रमीला की खुशी का ठिकाना नहीं रहा मानो दुनिया की सारी खुशियां उसे मिल गई। प्रमीला अपने पक्के मकान में रहने के सुखद अनुभव को कुछ इस तरह बतलाती है कि बारिश अब परेशानियां नहीं खुशियां लेकर आती है। इस योजना से न केवल मेरे परिवार को पक्का मकान मिला है अपितु हमारे जीवन में उम्मीदों की नई किरण जागी है।

#PMAY aur meri kahani 〉 MOR JAMIN MOR MAKAN 〉 Nagar Nigam Jagdalpur 〉 Pramila Tamboli

प्रधानमंत्री आवास योजना
अंतर्गत निर्मित पक्का मकान

सावित्री देवी

नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर

पुराना कच्चा मकान

AMBIKAPUR

स्वीकृत लागत राशि 2.95 लाख > भारत सरकार द्वारा दी गई सहायता राशि 1.50 लाख > छ.ग. शासन द्वारा दी गई सहायता राशि 0.74 लाख > हितग्राही द्वारा दी गई राशि 0.71 लाख

4

दूसरों के घर बनाने वाली- सावित्री को मिला खुद का पक्का मकान

खुद के पक्के मकान की आस रखने वाली सावित्री देवी की कहानी संघर्षों से भरी हुई है। दैनिक मजदूरी का काम करने वाली सावित्री ने 12 वर्ष पूर्व अपने पति को खो दिया था, जिसके बाद परिवार के पालन-पोषण की जिम्मेदारियाँ सावित्री के कंधों पर आ गई थी। केवल तीन से चार हजार की मासिक आय से सावित्री ने घर चलाने के साथ-साथ निष्ठा पूर्वक बच्चों की पढ़ाई पूरी करवाई। साथ ही पाई-पाई जोड़कर अपने बच्चों की शादी भी की।

सावित्री अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने में तो सफल रही, लेकिन खुद के लिए एक पक्के आवास में रहने की इच्छा पूरी करने में असमर्थ थी। रेजा मजदूरी करते हुए सावित्री को एक दिन यह पता चला कि वह जिस घर के निर्माण में मजदूरी कर रही है, वह किसी अमीर व्यक्ति का घर नहीं अपितु उसी की तरह एक निम्न आय वर्ग के परिवार का है, जो प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेकर सरकार से प्राप्त सहायता राशि से अपना खुद का पक्का मकान का निर्माण कर रहा है।

सावित्री इस बात को जान कर काफी खुश हुई और योजना की पूर्ण जानकारी के लिए, नगर निगम से संपर्क किया। निगम से जानकारी मिली कि योजनान्तर्गत ''मोर जमीन मोर मकान'' से किसी भी व्यक्ति जिनके पास खुद का पक्का मकान नहीं है। उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा सहायता राशि प्रदान की जाती है।

सावित्री ने बिना विलंब के इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन फार्म आवश्यक दस्तावेजों के साथ निकाय में जमा किया और कुछ दिनों में सावित्री को खुद का मकान बनाने की स्वीकृति प्राप्त हो गई। कार्य प्रारंभ करते ही कुछ ही दिनों में प्रथम किश्त की राशि भी सीधे बैंक खाते में प्राप्त हो गई और देखते ही देखते वह समय भी आ गया जब सावित्री का खुद का पक्का मकान बनकर उसके आँखों के सामने था। सावित्री अपनी खुशी जाहिर करते हुए यह कहती हैं कि अब तक मैं दूसरों के घरों पर मेहनत मजदूरी कर मकान बनाती थी, लेकिन आज मैंने अपने ही घर को ईंट से ईंट जोड़कर बनते देखा है जो सच में किसी सपने को पूरा होते हुए देखना जैसा था। मैं समझती हूं, प्रधानमंत्री आवास योजना सिर्फ जन लाभकारी योजना ही नहीं जबकि एक ऐसी योजना है जिसने मुझ जैसे लाखों परिवारों के खुद के आवास होने का सुखद अवसर प्रदान किया है।

#PMAY aur meri kahani > MOR JAMIN MOR MAKAN > Nagar Nigam Ambikapur > Savitri Devi

प्रधान मंत्री
आवास योजना–शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban

छत्तीसगढ़ में 3 लाख
आवासों का हो रहा निर्माण

जिंदगी की राहें होगी आसान
अब हर परिवार का होगा अपना
पक्का मकान

सबके लिए आवास मिशन 2015-2022

स्वीकृत लागत राशि 3.15 लाख > भारत सरकार द्वारा दी गई सहायता राशि 1.50 लाख > छ.ग. शासन द्वारा दी गई सहायता राशि 0.79 लाख > हितग्राही द्वारा दी गई राशि 0.86 लाख

5 आवास योजना से हुई-रफ़ी की दुआ कुबूल

मेरे परिवार में कुल 6 लोग हैं जिनमे मेरी 2 बेटियां हैं, जो शारीरिक रूप से अक्षम है । घर चलाने के लिए आय के स्रोत के रूप में मैं एक पान की दुकान चलता हूँ जिससे मेरे परिवार का सम्पूर्ण खर्च चलता है और हमारा पूरा परिवार कच्चे मकान में रहता है। मुझे इस बात का दुख नहीं कि मैं इस स्थिति में रहा। पर इस बात से चिंतित रहता था कि मेरा परिवार भी मेरी तरह ही तंगी में अपना जीवन न गुज़ार दे।

नगर निगम भिलाई क्षेत्रान्तर्गत वार्ड 18 में रहने वाले मोहम्मद रफी बतलाते है कि, पान की दुकान से होने वाली आय से घरेलू खर्च, बेटियों का इलाज एवं परिवार की प्राथमिक आवश्यकताएं तो जैसे-तैसे पूर्ण हो जाती थी, परन्तु बेटियों की स्थिति एवं पारिवारिक समस्याओं को देखते हुए रफी को अब अपने पक्के आवास की सबसे अधिक आवश्यकता थी, किन्तु रफी के लिए इस आय में यह कार्य असंभव सा था।

इस बात से परेशान रफी को तिनके का सहारा मिला जब एक दिन उसकी दुकान में निगम कर्मचारी पहुँचे। बातों ही बातों में निगम कर्मियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना की चर्चा करते हुए ‘‘मोर जमीन मोर मकान’’ की जानकारी दी ।

घर बनाने की बातें सुनकर रफ़ी ने निगम कर्मियों से मोर जमीन मोर मकान योजना के बारे में जानने की कोशिश की। निगम कर्मियों ने उसे बतलाया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सरकार उन लोगों को सहायता राशि प्रदान कर रही है जिनके पास खुद की जमीन में पक्का आवास नहीं है। मोर जमीन मोर मकान के बारे में जानकर रफी ने मन ही मन अपना घर बनाने के सपने को संजोने लगा और इस सपने को पूरा करने के लिए नगर निगम भिलाई से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजी कार्यवाही को पूर्ण किया ।

कुछ ही दिनों में रफ़ी को घर बनाने की स्वीकृति प्राप्त हुई और देखते ही देखते निगम से रफी के मकान की पहली किश्त उसके बैंक खाते में जमा हो गई। कार्य की निरंतरता के साथ रफी को दूसरी, तीसरी और चौथी किश्त भी योजनानुसार प्राप्त हुई और बहुत कम समय मे रफी का खुद का मकान बनकर तैयार हो गया । आज रफी पूरे परिवार के साथ सुखद जीवन व्यतीत कर रहे हैं। रफी कहते हैं कि इस योजना ने उन्हें परिवार की समस्याओं के बाद भी घर बनाने की हिम्मत दी है, और यह सहायता मेरे लिए मेरी दुआ कबूल होने जैसी है। मेरा बरसों का संजोया सपना इस योजना से पूरा हुआ।

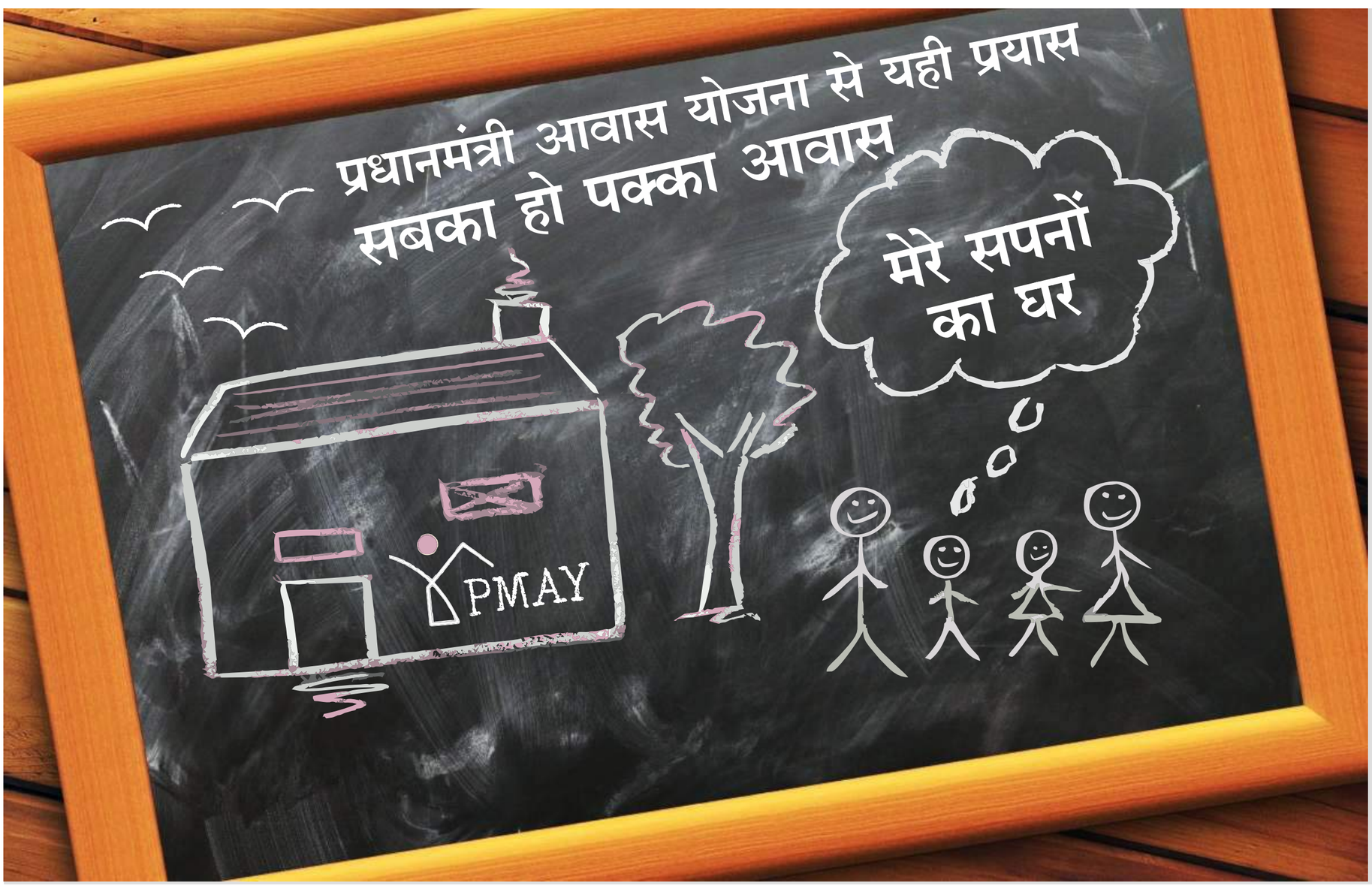

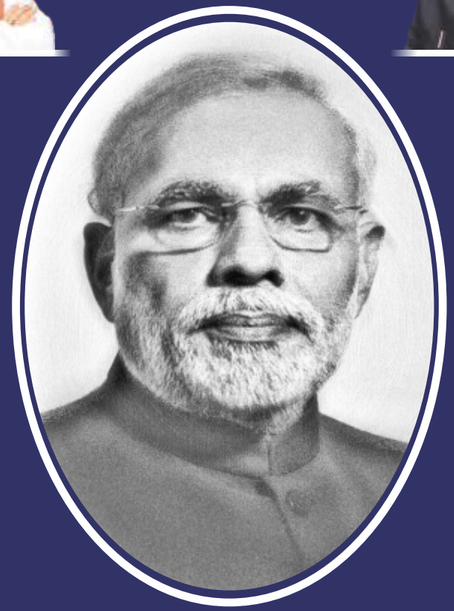

"वर्ष 2022 - जब आजादी के 75 साल हों तब देश के गरीब से गरीब का अपना घर हो और घर भी ऐसा हो जिसमें बिजली हो, पानी हो, शौचालय हो और गैस का चूल्हा हो।"

- नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री